धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार
Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

अपील

जैसा कि सर्व-विदित है, हमारे संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार संघ सरकार की राजभाषा हिंदी है और इसकी लिपि देवनागरी है। हमारी संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसी उपलक्ष्य में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस का आयोजन किया जाता है।

2. भारत एक बहु-भाषी देश है, जिसमें 1665 से भी अधिक भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं। इस बहुभाषी देश में हिंदी बोलने, समझने और लिखने वाले लोगों की संख्या सर्वाधिक होने के कारण ही हमारी संविधान सभा ने संभवत: हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। हमारे देश की भाषा संबंधी नीति बहुत ही उदार रही है। इसी के परिणाम-स्वरूप राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग प्रेरणा और प्रोत्साहन से किया जाता है। हिंदी किसी पर भी बलपूर्वक थोपी नहीं गई है, लेकिन इसका यह आशय नहीं है कि हम जानबूझ कर राजभाषा की अवहेलना करें और सरकारी कामकाज को हिंदी में करने से बचें। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम सरकार के कामकाज में हिंदी का अधिक-से-अधिक प्रयोग करें। इसके लिए हमें भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा प्रति वर्ष जारी किये जाने वाले वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने का भरसक प्रयास करना चाहिए।

3. वर्तमान समय कम्प्युटर का समय है। कम्प्युटर तथा अन्य अनेक उपकरणों के माध्यम से हिंदी का प्रयोग अत्यंत सरल हो गया है। यह और भी प्रसन्नता की बात है कि हमारे मंत्रालय में हिंदी का उत्तरोत्तर प्रयोग बढ़ता जा रहा है और इसे अधिक सुगम, सरल तथा व्यापक बनाने के लिए भी प्रयास जारी हैं। यह भी सुविदित है कि हिंदी की भूमिका ज्ञान, कौशल और सामाजिक जीवन में काफी प्रभावी है। आज हर कदम पर प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हिंदी की उल्लेखनीय उपस्थिति है, जो संभवत: इसके पाठकों और दर्शकों की बड़ी संख्या की परिचायक है।

4. मैं **हिंदी दिवस-2023** के शुभ-अवसर पर मंत्रालय व इसके सभी अधीनस्थ कार्यालयों व संस्थानों के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील करना चाहूँगा कि आप सभी अपने कार्यालयीन कार्य में राजभाषा हिंदी का अधिक-से-अधिक प्रयोग करें और अपने सह-कर्मियों को भी इसके लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करें। धन्यवाद। **जयहिंद ।**

नई दिल्ली,
दिनांक : 13 सितंबर, 2023

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

कौशल भारत - कुशल भारत

Generated from eOffice by SANJAY ARORA, DS(SA)-PAT, DS(PAT), Ministry of Skill Development and En on 14/09/2023 09:59 AM